पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	अवधि (PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

धरणेन्द्र कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
70, कैलाश हिल्स, नई दिल्ली–110065
मो. 8826578600, 9999495706

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of : Shree Digamber Jain Mahasamiti
Account No : 10170001973962
Branch : Bandhan Bank, East Patel Nagar, Delhi-110008
IFSC Code : BDBL0001498

वर्ष 5 - अंक 1 जनवरी 2021

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन
मो. 9811227718, 9711227718

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 9999495706, 8826578600
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

संपादक (विदेश)
रामगोपाल जैन U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुद्रक : श्री वर्धमान प्रेस
संजीव जैन
मो. 8459349902, 9654092167
K-33, नवीन शाहदरा
दिल्ली-110032

पंजीकृत कार्यालय
70, Kailash Hills, 2nd Floor
Delhi-110065
Mob. 9810043108, 8826578600
E-mail : sdjmnational@gmail.com

विषय सूची

		पृष्ठ संख्या
1.	सम्पादकीय	02
2.	आईआईटी कोचिंग	03
3.	महत्वपूर्ण सूचना	04
4.	बुझ गया ज्ञान का दीपक	05
5.	लक्ष्य की प्राप्ति के	06
6.	धन केवल साधन मात्र है	07
7.	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	08
8.	संस्कार सम्मेलन	09
9.	अहमदाबार शाखा द्वारा विभिन्न	10
10.	लाइव ऑनलाइन जीवन साथी	11
11.	सुखद परिवर्तन	12
12.	जरूरतमंद परिवार	13
13.	लहेरिया महोत्सव	14
14.	समोशरण की स्थापना	15
15.	ईश्वर की आराधना	16

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

समाजवाद और मानवता

वर्तमान काल में भारतीय सामाजिक व्यवस्था डांवाडोल हो रही है। प्राचीन संस्कृति या जीवन जीने की पद्धति इतनी अधिक विकृत या रूढ़िवादी बन चुकी है कि उसे नई पीढ़ी नकार रही है, और सुसंस्कृत सुखद मार्ग न पाकर पाश्चात्य या पशुत्व का स्वाधीन जीवन जीने की ओर अग्रसर हो रही है। इस पाशविक जीवन में रिश्तों या उत्तरदायित्वों का कोई महत्व नहीं होता। माता-पिता, भाई-बहन ही नहीं स्व-संतति भी जीवन के सुखद् वातावरण में बाधक प्रतीत होती है। संतान को पैदा करना पालन-पोषण का सुशिक्षित संस्कारित करना एक भार या मजबूरी समझी जाती है। अत: जीवन खाओ-पीओ मस्त रहो। अतएव लिव एण्ड रिलेशन अथवा समलैंगिक जैसी कुसंस्कृतियाँ पनप रही हैं जो कि प्रकृति के प्रतिकूल होने के कारण मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। धर्म-समाज, देश-कुल परिवार को मटिया मेट करने का अचूक अस्त्र है। समाज को समय रहते समझ जाना चाहिए।

मानव-जीवन मात्र शारीरिक सुख के लिए नहीं होता, मानवता द्वारा संस्कृति के संरक्षण का उत्तरदायित्व ही नहीं नर से नारायण बननें के लिए होता है। इसलिए मानव को धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष ये चार पुरूषार्थ करने की प्रेरणा दी गई है। नर-नारी दोनों मिलकर ही इन चार पुरूषार्थों को सफल और सार्थक बनाते रहे हैं। अत: इस लक्ष्य को भटकना मानवता को खो देना है। हो सकता है इन पुरूषार्थो की उपलब्धि के मार्ग में कष्ट और कठिनाईयाँ हों परन्तु अन्तत: फलश्रुति मानवता के विकास का ही नहीं परिपक्व फलश्रुति की है। यहाँ धर्म या कर्तव्य परायणता में सुशिक्षा और सुसंस्कृति संस्कार तो उपयोगी है ही विज्ञान और प्रकृति भी सामाग्री देने में समर्थ है। आ..... सूरत है मानव धर्म और संस्कृति को वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में परिवर्तन करने की जहाँ रूढ़ीगत विकृतियाँ हो हटा दें, काल-क्षय-द्रव्य भव के अनुसार परिवर्तन परिमार्थ न होने रहना अत्यावश्यक है। लक्ष्य में सत्य-प्राकृतिक स्वरूप में, शिव-कल्याणकारी कृत्य तथा भाव में, सुन्दर सुखद स्वपर के तन-मन को प्रफुल्लित करने में अन्तर्निदृष्टि हो। बच्चों में आरम्भ से ही स्वार्थ के साथ परमार्थ के संस्कार हों, इसके लिए परिवार में कई लोग माता-पिता के साथ भाई-बहिन भी अवश्य हों, नाना-नानी, दादा-दादी का भी वात्सल्य व अपनापन हो तभी वे स्वयं के बचपन, जवानी और बुढ़ापे की अवस्था का अनुशासित संस्कार ले सकेंगे। जीवन की धूप-छाँव, मौसम के अनुसार बदलती रहती है अत: हर मौसम की तरह हर आयुवर्ग का प्रभाव उन्हें अनायास ही अनुभवी बना देता है।

आज मानव का वैदिक विकास काफी हुआ है, शिक्षा और विज्ञान ने उसे वैश्विक सभ्यता से साक्षात्कार कराया है अब जरूरत विवेक बुद्धि की है। मानव स्वविवेकी से ही नीर-क्षीर का विवेचन कर सकता है। इसमें नारी को करनी होगी, क्योंकि मानव की प्रथम गुरू के रूप में मातृत्व की उर्वरा भूमि वही है। योग्य-सुशिक्षित, संस्कारित मातायें तैयार हैं। इसके लिए समाज और सत्ताधीशों-देश के कर्णधारों की विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता है। रानी मदारसा का एक उदाहरण आता है

उसने अपने छह पुत्रों को महान योगी बना अध्यात्म का मार्गी बना दिया था और सातवें पुत्र को पति की इच्छानुसार वीर योद्धा न्यायी नृपति बनाया था। वहीं बुद्धि और कौशल हर नारी में हो, प्रत्येक नारी मातृत्व के महान कर्तव्य को जाने, समझें और मानें। नारी को सर्वाधिक महानता आदर्श मातृत्व में मानी गयी है। **"तीर्थकर बनती नहीं नारी तीर्थकर जनती है।"** माँ को ईश्वर का प्रतिरूप कहा गया है, उसे अपनी इस गरिमा को उत्तरोत्तर बढ़ाना है वह अपने जीवन की सार्थकता के रूप में योग्यतम संतान देने के कर्तव्य से च्युत न हो। समाज को स्वस्थ बनाना नारी के हाथ में है, क्योंकि नर की बाल्यावस्था पालने में डोरी उसके हाथ में है। नर के यौवन काल की सुख-शांति नारी के साथ है, पत्नी के रूप में, और वृद्धावस्था की मित्र-सेविका भी नारी ही है। फिर पुरूष बलात्कारी और अत्याचारी बन कैसे आता है। इस समस्या का निदान नारी का कर्तव्य और समाज की व्यवस्था ही कर सकती है। जब तक अर्थ और अधिकारों का संतुलन नहीं होगा, विषमता बढ़ती जायेगी। राष्ट्र और समाज के कर्णधारों का पक्षपात रहित होकर विवेक बुद्धि से समाजवाद लाना ही होगा।

-**धरणेन्द्र कुमार जैन**, दिल्ली

आईआईटी कोचिंग करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए हर्ष पूर्ण सूचना

आप सभी को अवगत कराते हुए प्रसन्नता है कि पिछले वर्ष की भांति इस साल भी फरवरी से आईआईटी कोचिंग क्लासेस **सुपर थर्टी पटना** के सौजन्य एवं हमारे **राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन** की प्रेरणा से **श्री दिगम्बर जैन महासमिति** द्वारा प्रारंभ की जाएगी। ऑनलाइन टेस्ट लिया जाएगा तथा सफल छात्रों को फरवरी से क्लासेस प्रारंभ होने की सूचना दी जाएगी। आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को महासमिति द्वारा हर संभव आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। साथ में दी गई लिंक पर फॉर्म भरने की कृपा करें।

Mrs. Priya Jain
Co-ordinator,
sdjmsnational@gmail.com
www.shreedigamberjainmahasamiti.com
(M) 9810373108
http://form.123formbuilder.com/5362214/form

नोट:- कृपया इस संदेश को देश के सभी ग्रुप्स में आईआईटी कोचिंग करने वाले छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए भेजने की कृपा करें।

अत्यंत महत्वपूर्ण सूचना

पिछले कुछ समय से जैन धर्म की निन्दा का कारण बन रही घटनाओं पर विचार करने के लिए श्री दिगम्बर जैन एडवाइजरी बोर्ड के माननीय सदस्यों की दूसरी Zoom मीटिंग आज हुई जिसमें देश के कई जस्टिस, IAS, IPS, सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ने भाग लिया। सबका मानना है कि हम तथा साधु गण धरती पर आते-जाते रहेंगे, परंतु धर्म सदा जीवंत रहेगा। किसी भी स्थिति में श्रावक या साधु के कारण पूरे समाज व धर्म पर धब्बा लगना बर्दास्त नहीं किया जाएगा सर्वसम्मति से निम्न निर्णय किए गए।

1. किसी भी स्थिति में ऐकल साधु के बिहार या चातुर्मास करने पर उनके दीक्षा गुरू तथा समाज दोनों को मिलकर विरोध करना होगा।
2. आचार्य गणों द्वारा दीक्षा देने से पहले शिष्य के गुण दोषों को अच्छे से परखा जाना चाहिए अन्यथा असंयमित परिग्रह वादी, प्रचार लोलुप शिष्य के कारण संसार के सर्वश्रेष्ठ जैन धर्म पर दाग लग जाता है, एवं निर्दोष गुरू की प्रतिष्ठा भी कम हो जाती है।
3. महिलाओं का मुनियों के पास तथा पुरूषों का आर्यिकाओं के पास शाम 6:00 बजे से सुबह 6:00 बजे तक दर्शन करने या किसी अन्य कारण से जाने को पूर्णतया प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। अन्य समय पर भी साधुओं के अकेले रहने पर उनके पास जाने से बचना चाहिए। इसकी व्यवस्था स्थानीय समाज को अवश्य सुनिश्चित करनी चहिए।
4. बहुत सारे श्रावक साधुओं के लिए गरिष्ठ भोजन तथा कई-कई व्यंजनों की व्यवस्था करने लगे हैं। इस तरह साधुओं में कई तरह के रोग तथा तामसी प्रवृर्ती जागृत हो जाती है। अत: हम सभी श्रावकों को शास्त्रों में वर्णित पौष्टिक आहार देकर धर्म और गुरू के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।
5. चातुर्मास तथा सामाजिक कार्यक्रमों में पैसे का व्यय कम कर देना चाहिए तथा बचाए हुए पैसे को समाज उत्थान के कार्यों में उपयोग करना चाहिए जिसकी आज के समय में बहुत आवश्यकता है।
6. समाज के श्रेष्ठी जनों को भी सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में दिखावे की संस्कृति को छोड़ समाज के प्रति अपनी निस्वार्थ भाव से जिम्मेदारी निभानी चाहिए तथा समाज और धर्म के उत्थान के लिए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

डॉ. मणीन्द्र जैन (संयोजक)

श्री दिगम्बर जैन एडवाइजरी बोर्ड

(कृपया इस संदेश को देश के समस्त दिगम्बर जैन ग्रुप्स में भेजकर समाज और धर्म की सेवा में सहभागी बनें।)

बुझ गया ज्ञान का दीपक

दीपावली की शाम जब हम घरों में ज्ञान के प्रतीक स्वरूप दीप प्रज्वलित कर रहे थे तभी सहसा एक दु:खद समाचार मिला कि एक श्रुत ज्ञानदीप अभी-अभी बुझ गया है। सुनकर विश्वास नहीं हुआ कि वर्तमान में जैनधर्म दर्शन संस्कृति की रक्षा का संकल्प लेकर एक अद्वितीय जिनधर्म विजय अभियान लेकर चलने वाले, जन-जन की श्रद्धा के आसन पर विराजने वाले दिगम्बर जैन परम्परा के महान साधक आचार्य ज्ञानसागर जी की समाधि अचानक हो गई। अपने हाथ में कुछ नहीं था तो एकान्त ध्यान में बैठकर महामन्त्र का जाप किया और उन्हें अत्यन्त भक्ति के साथ कोटि-कोटि नमन करते हुए श्रद्धांजली अर्पित की।

आज भारत भूमि से एक और निराला, अलवेला सन्त विदा हो गया, बच्चों के मसीहा, यथा नाम गुण के धनी, आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज एक अद्भुत संयोग, महावीर जन्म जयन्ती पर जन्म हुआ और महावीर स्वामी के निर्वाण के दिन आपको भी निर्वाण हुआ। आपके चरणों में बारम्बार नमोस्तु।

आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज चतुर्थ कालीन चर्या का पालन करने वाले, पंथ व आम्नाय से उपर सभी सन्तों के साथ समन्वय के आदर्श थे। बच्चों, छात्रों, प्रोफेशनल्स को संगठित करने, समाज को विश्व पटल पर उपर उठाने में आचार्य श्री का अभूतपूर्व योगदान है। श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन ने संस्था की ओर से अपनी भावांजली प्रकट की तथा महान जैन सन्त के अचानक समाधिमरण से सम्पूर्ण प्राणी जगत को अपूर्णनीय क्षति होना बताया।

- प्रवीण कुमार जैन,
राष्ट्रीय महामन्त्री

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति शाढौरा इकाई की रिपोर्ट

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति इकाई शाढौरा निरंतर मानव सेवा एवं समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी रहकर सामाजिक समरसता का परिचय नगर में देती रही है। समय-समय पर महासमिति के निर्देशों के अनुरूप कार्यों का संचालन कर मानव सेवा के साथ धर्म आराधना सभी बहिनें करते हुए महासमिति आगे बढ़ रही है। अष्टानिका पर्व पर संस्कृत के विधान में द्रव्य सजाकर सहभागिता की लॉकडाउन के रहते महावीर जयंती, अक्षय तृतीया पर श्रुत स्कंध विधान महिला इकाई की सभी बहनों ने अपने-अपने घरों पर किया 5 जून को पर्यावरण दिवस पर अपने-अपने निवास पर बहनों ने पौधारोपण कर पर्यावरण के महत्व का संदेश जन-जन को दिया। स्वतंत्रता दिवस पर एक अनूठी पहल महिला इकाई की रही जिसको नगर वासियों ने सराहा। नगर की नारायण गौशाला पर बहनों ने पहुंचकर ध्वजारोहण किया और राष्ट्रगान किया एवं गायों के बीच बैठकर भक्तामर का पाठ करते हुए राष्ट्रीय गीत गाए। यह कार्य गौशाला के अधिकारियों कर्मचारियों ने सराहते हुए कहा कि जब महिलाएं भक्तांबर का पाठ पढ़ रही थीं तब गौशाला की सभी गायें एक स्थान पर रूक कर मंत्रमुग्ध होकर भक्तांबर पाठ को सुन रही थी।

अध्यक्ष- श्रीमती इन्द्रा बांझल- 9584571887 मंत्री - श्रीमती संध्या भारिल - 7049095044

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए श्रमशील व्यक्तियों का सहयोग लेना चााहिए

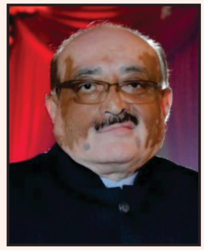

उँची सोच के साथ बड़े लक्ष्य को कामयाब करना ही पुरूषार्थ है। लक्ष्य व्यक्ति के अपने जीवन का हो सकता है, समाज के सम्बंध में हो सकता है, देश-दुनियां के बारे में हो सकता है, संस्था और संगठन के विषय का हो सकता है।

चिन्तन की कसौटी पर जाँच परख्र करने के बाद जो बिन्दु निर्धारित कर लिए जाते हैं, वे लक्ष्य की श्रेणी में आ जाते हैं। लक्ष्य की लक्ष्मण रेख्रा ख्रींच जाने के बाद कदमों को पीछे ख्रींचना ठीक नहीं होता। यहाँ से तो सही मायने में कर्म की यात्रा प्रारंभ होती है।

एक बार कई बीमारियाँ मिलजुल कर एक पहाड़ के पास पहुँची और बोली, दुनियां में सभी हमें ठुकराते हैं। गले लगाने की बात तो दूर, हमें कोई दो-चार दिन चैन से टिकने भी नहीं देता। सुना कि पहाड़ अटल होता है, इसलिए काफी आशा लेकर आपकी शरण में आई हूँ आप हमें आसरा दे दें। पहाड़ नें 'एवमस्तू' कहा और सभी को अपने अन्दर आश्रय दे दिया।

उस पहाड़ के सामने ही किसानों की एक बस्ती थी। एक दिन उन्होंने सोचा, क्यों न इस पहाड़ को समतल करके कृषि योग्य भूमि तैयार कर ली जाए। दूसरे ही दिन से पहाड़ को तोड़ने का कार्य प्रारंभ हो गया। पहाड़ चिन्तित था, मेरा तो अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। उसने अपने भीतर आश्रय लेने वाली बीमारियों को जगाया और उनसे कहा, तुम सभी कुछ दिनों के लिए मेरा आश्रय छोड़कर बस्ती के किसानों के पास जाओ, किसान बीमार पड़ जाएंगे और मुझे काटने का काम बंद कर देंगे, अन्यथा मैं तो समाप्त हो ही जाउँगा, तुम्हारा ठिकाना भी ख्रत्म हो जाएगा। बीमारियों ने रातों-रात अपना ताम-झाम समेटा और विश्राम कर रहे किसानों के शरीर से चिपट गई। हफ्ता-दो हफ्ता बीता परन्तु पर्वत के कटने का क्रम निरंतर जारी रहा।

अचानक एक रात अपना मायूस सा चेहरा लेकर सभी बीमारियाँ पर्वत के पास लौट आई और बताने लगी, हम बस्ती में गई थी, हम किसानों के शरीर से चिपट भी गई थीं, लेकिन किसानों ने अपना नियमित टाइम-टेबल बना रख्रा है। पहाड़ काटने के समय वो बीमारी की हालत में भी आ जाते हैं और सब कुछ भूलकर कटाई में लग जाते हैं। दिन भर के कठिन श्रम से उन्हें जो पसीना निकलता है, उसी के साथ हम बीमारियाँ भी उनके शरीर से बाहर आ जाती हैं।

धुन का धनी और श्रम का पुजारी कभी थकता नहीं। कोई भी काम जब हमारे हाथ में आता है तो उसे पूरा करने के लिए शर्त होती है- उत्साह। अगर मन में उत्साह नहीं है और आपने यह सोचा कि काम को जैसे-तैसे करना है, तो काम करने का असली मजा नहीं आएगा। दूसरी शर्त है- विश्वास। मन में निश्चय होना चाहिए कि हम काम को कर सकेंगे, सही रूप में करेंगे और सफ्ल होंगे। मन में यह प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि हम निष्ठा के साथ करेंगे।

इक्कीसवीं शताब्दी को हम मैनेजमेंट का युग भी कह सकते हैं। आज कल किसी भी काम को हाथ में लेने से पहले उसकी समीक्षा की जाती है। काम कितना करना है, और किन हितों के लिए करना है, यह तय किया जाता है। सम्पूर्ण प्रक्रिया लक्ष्य पर केन्द्रित होकर पूरी करनी होती है। अपना लक्ष्य थोड़ा उँचा बनाना चाहिए। किसी व्यक्ति नें एक छोटे से बच्चे से पूछा कि यदि तुम्हें देश का प्रधानमन्त्री बना दिया जाये तो तुम क्या करोगे? बच्चे ने कहा कि सबसे पहले लालकिले पर चढ़कर पतंग उड़ाउंगा। सोच छोटी होती है तो लक्ष्य भी छोटा होता है।

लक्ष्य निर्धारण में हमेशा चिन्तनशील व्यक्तियों का परामर्श लेना चाहिए और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमेशा श्रमशील व्यक्तियों का सहयोग लेना चाहिए। फिर आपने जितनी कार्य-योजना सोची है, तैयार की है वह पूरी होगी और अवश्य सफ्लता मिलेगी।

- **अनिल जैन** अध्यक्ष (उ.प्र०) मुरादाबाद

धन केवल साधन मात्र है साध्य नहीं

मनुष्य की दैनिक जरूरतों की पूर्ति के लिए धन जरूरी है इसलिए धन की कामना भी सहज स्वाभाविक है। विश्व के विभिन्न देशों में धन की किसी देवी या देवता की कल्पना करके उसकी उपासना की जाती रही है, लेकिन इसके औचित्य पर प्रश्न तब लगता है जब धन, साधन न रहकर स्वयं साध्य बन जाता है।

धन का अपने आप में कोई महत्व नहीं होता। यदि उससे हमारी जरूरतें पूरी न होती हों तो वह व्यर्थ है। इसी प्रकार जरूरतें पूरी होने के उपरान्त हमारे पास जो धन बचा रहता है वह भी व्यर्थ है। यदि व्यक्ति का सम्मान उसकी योग्यता और गुणों के आधार न होकर उसके धन या भौतिक समृद्धि के आधार पर होता है तो समझना चाहिए कि वह एक बीमार समााज है। अपने चारों तरफ हम धन का अत्याधिक सम्मान होते देखते हैं। निजी और सार्वजनिक समारोहों में धनपति को विशिष्ट स्थान दिया जाता है। प्रशासन में सामान्यत: कोई भी कार्य ऐसा नहीं होता जो धन के बूते न करवाया जा सके। आज के व्यवसायिक समय में जहाँ हर वस्तु बिकाउ है वहाँ व्यक्ति भी उसका अपवाद नहीं। अमीर लोग अपने धन के बल पर प्राय: हर नैतिक-अनैतिक काम करवाने में सक्षम होते हैं।

आम आदमी भी धन के आधार पर ही मनुष्य की कीमत आँकते हैं। जिस व्यक्ति के पास आलीशान इमारत, मोटरकार, फ्रिज तथा ऐशो-आराम की अन्यं कई वस्तुएँ होती हैं उसे समाज में विशिष्ट सम्मान प्राप्त होता है। किसी के पास ये वस्तुएँ ज्यों-त्यों कम होती चली जाती हैं, ज्यों-त्यों समाज में उसका सम्मान भी कम होता जाता है, भले योग्यता और प्रतिभा के मामले में वह कितना ही महान क्यों न हो। इसे विडम्बना ही कहा जाएगा कि काले धन और कालाबाजारी की कटु आलोचना के बावजूद समाज में धनपतियों को सम्मान मिलता है और यह ध्यान नहीं दिया जाता कि उसने धन किस प्रकार कमाया है और इस समय उसके पास किस प्रकार का धन है।

धन का यह विशिष्ट सम्मान केवल राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्र में ही नहीं बल्कि धार्मिक क्षेत्र में भी काफी अधिक है। मंदिरों में अधिक दक्षिणा देने वाला व्यक्ति सम्मान का अधिकारी होता है। जहाँ दर्शनार्थियों की लम्बी लाइनें लगी होती हैं वहाँ भी अमीर आदमी कुछ ही क्षणों में दर्शन कर सकता है। मूर्तियों पर जल चढ़ाने में प्राथमिकता किसको दी जाए, इसके लिए भी बाकायदा बोली लगती है। धार्मिक जुलूसों का नेतृत्व करने में भी धनाधीशों को प्रधानता दी जाती है। इससे लगता है कि हमारे धार्मिक स्थल पर भी धनिकों के पास गिरवी रख दिए गए हैं।

इस प्रकार के वातावरण में स्वभावत: व्यक्ति अधिक से अधिक धन प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील हो जाता है। यदि यह कार्य उचित और वैध ढंग से हो तो इसमें कोई बुराई नहीं किन्तु होता प्राय: यह है कि व्यक्ति धन प्राप्ति की कोशिश में इतना अंधा हो जाता है कि उसे उचित, अनुचित या वैध-अवैध कुछ भी दिखाई नहीं देता। व्यापारी वर्ग मिलावट तथा चोरबाजारी द्वारा सम्पत्ति संचय करता है तो कर्मचारी वर्ग रिश्वत तथा भ्रष्टाचार के कार्यों में लिप्त हो जाता है।

दहेज में अधिक रकम की लेन-देन करने वाले की लोग अक्सर प्रशंसा करते हैं। किसी समारोह में एकत्रित होने वाली महिलाएँ जब कीमती साड़ियाँ और आभूषणों की प्रशंसा करती हैं, स्कूल-कालेजों में

जब मूल्यवान वस्त्र पहनने वाले या किसी विशेष वाहन से आने वाले बालक को जब विशेष महत्व दिया जाता है तो इससे दूसरों में भी महत्वाकाक्षाएँ जाग उठती हैं। इस प्रकार की परिस्थिति एक ओर तो लोगों में प्रदर्शन की प्रवृति को उभारती है और दूसरी तरफ अभावग्रस्त व्यक्तियों में हीनता की भावना जगाती है। हीनता की यह भावना लोगों को अपराध के मार्ग पर ढ़केलती है जिससे वे येन केन प्रकारेणन धन संग्रह में लग जाते हैं। धन के प्रति आकर्षण और तदनुसार लम्बी पूजन एक सीमा तक ही स्वाभाविक और आवश्यक है। धन केवल साधन ही रहना चाहिए साध्य नहीं। सम्मान सद्‌गुणों का ही होना चाहिए, धन की नहीं। लक्ष्मी की अंधी उपासना का समर्थन कदापि नहीं किया जा सकता।

- सुरेश जैन सेठी, अध्यक्ष
(पश्चिम बंगाल)

जैन अल्पसंख्यक स्कॉलरशिप का उद्‌घाटन
150 बच्चों का किया गया ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

नागपुर - अखिल भारतीय जैन अल्पसंख्यक महासंघ के माध्यम से देश भर में 1000 स्थानों पर बुधवार को एक दिवसीय जैन अल्पसंख्यक स्कॉलरशिप अभियान का आयोजन किया गया। इसका उद्‌घाटन नागपुर में भारतीय जनता पार्टी के अल्पसंख्यक राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्धीकी के हाथों डॉ रिचाज यूनिक क्लिनिक में किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अतुल कोटेचा, राजकुमार जैन, मनोज बंड समाजसेवी, रोहित भाई शाह, रजनी जैन "जैन सेवा महिला मंडल" अध्यक्ष, रमेश उदापुरकर प्रमुष्टता से उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ रिचा राजकुमार जैन पुलक मंच परिवार की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं अखिल भारतीय अल्पसंख्यक के महाराष्ट्र की उपाध्यक्ष द्वारा किया गया जिसमें 150 बच्चों का रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन किया। सभी फार्म ष्ठुशी जैन, तनिष्का जैन एवं शुभम् द्वारा सभी बच्चों के ऑनलाइन भरे गए और आगे भविष्य में इन बच्चों को 20ए000 से लेकर 1 लाष्ट्व रूपए तक का भारत सरकार की माइनॉरिटी स्कॉलरशिप के अकाउंट में क्रेडिट की जाएगी। इस अवसर पर जमाल सिद्धीकी ने बताया कि 350 तरह की योजनाएं हैं, जो सभी उम्र वर्ग के लिए हैं।

इस कार्यक्रम के प्रेरणास्त्रोत अखिल भारतीय अल्पसंख्यक के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित गांधी, महामंत्री संदीप भंडारी संयोजक, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री सौरभ भंडारी द्वारा किया गया। यह आयोजन नागपुर में पुलक मंच परिवार नागपुर एवं राष्ट्रीय जैन महिला जागृति मंच, गांधीबाग शाष्ट्वा द्वारा किया गया। समाज के सभी अभिभावकों ने डॉ रिचा राजकुमार जैन, ष्ठुशी जैन की सराहना की। आभार डॉ रिचा जैन ने किया।

- डॉ रिचा जैन, नागपुर

राष्ट्रीय युवती संस्कार सम्मेलन

दो दिवसीय (2-3 अक्टूबर) कार्यक्रम के समापन में निम्नलिखित RESOLUTION सर्वसम्मति से पास किये गये थे।

प्रस्ताव नं॰ 1- महिला सलाहकार व संरक्षण प्रकोष्ठ बनाया जाये, जो महिलाओं की विभिन्न समस्याओं के समाधान व उत्थान के कार्यों में सहयोग व मार्गदर्शन देंगे। इस प्रकोष्ठ में 11 सदस्य होंगे जो विभिन्न विधाओं जैसे वकील, सलाहकार, न्यायाधीश Counseling करने वाले पुलिस प्रशासन के लोग सम्मिलित किये जायेंगे।

प्रस्ताव नं॰ 2- श्री दिगम्बर जैन युवा महिला समिति का गठन किया जाये, जिसमें 18 साल से 25 साल तक की अविवाहित युवतियाँ सदस्य होंगी।

प्रस्ताव नं॰ 3- परिवार में किसी भी आयोजन जैसे जन्म-दिन, विवाह, विवाह वर्षगांठ आदि समारोहों पर सदस्यगण कम से कम एक यादगार स्वरूप वृक्षारोपण करें तथा केन्द्रिय महासमिति दिल्ली को सहयोग के रूप में कुछ राशि श्री दिगम्बर जैन महासमिति द्वारा Education के लिये चलाई जा रही योजना को अवश्य दें तथा महासमिति के Account में जमा करें। जमा की गई बैंक पर्ची महासमिति के कार्यालय को प्रेषित करते समय पर्ची पर Education अवश्य अंकित करें, जिससे उस धनराशि का उपयोग Education के लिये ही किया जा सके।

दिनांक 03.10.2020 को RESOLUTION पास होने के पश्चात् बहुत सारी बहिनों ने धनराशि की घोषणा की थी। उनका हम धन्यवाद करते हैं।

डॉ. मणीन्द्र जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष	**श्रीमती शीला जैन डोडिया** राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला महासमिति	**संगीता कासलीवाल** राष्ट्रीय महामन्त्री महिला महासमिति
प्रवीन कुमार जैन राष्ट्रीय महामन्त्री	**धरणेन्द्र कुमार जैन** राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	**डॉ. वन्दना जैन** राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष महिला महासमिति

तिरस्कार करने की प्रवृति नीच गति का कारण है।
अतः हे आत्मन्! प्रमाद से भी कभी किसी का तिरस्कार मत करो।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति अहमदाबाद शाखा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की अहमदाबाद इकाई का गठन गत वर्ष 28.08.2019 को हुआ था, उसके पश्चात से सभी सदस्यों ने बहुत हर्ष और उल्लास के साथ अनेक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

प्रथम समिति की शुरूआत एक सामान्य मीटिंग से हुए, जिसमें हमने सूरत से विशेष अतिथि को आमन्त्रित किया और अहमदाबाद शाखा की बहू बेटियों ने नृत्य की प्रस्तुति दी और स्थानीय समाज की वयोवृद्ध महिला का सम्मान किया, इस श्रंखला में दो मा सा का सम्मान किया गया। इसी कड़ी में अगला कार्य धर्म की प्रभावना को बढ़ाते हुए धूम-धाम से मन्दिर जी में विधान किया।

अगले चरण में हमने सोलह श्रंगार प्रतियोगिता का आयोजन के आज कल की पीढ़ी को भारतीय परिधान की खूबसूरती और रजवाड़ी परम्परा से अवगत कराया। आगामी कड़ी में भारतीय संविधान दिवस (26 जनवरी) और बसंत उत्सव का सम्मिलित आयोजन किया गया जिसमें एक "फन फेयर" का आयोजन बड़े रूप में किया, उसमें पूरे जैन समाज अहमदाबाद को आमन्त्रित किया और जैन पद्धति से बने भोजन के स्टॉल लगाए, जिससे लोगों को पता चला कि जैन पद्धति से बना भोजन स्वास्थ्यवर्धक तो होता ही है स्वादिष्ट भी होता है।

तत्पश्चात कोरोना नें अपने पैर पूरे देश में पसार लिए, सभी घर में बन्द हो गए, पर शाखा के पदाधिकारियों ने तब भी धर्म की प्रभावना की। ऑनलाइन पाठ, छोटे बच्चों के द्वारा कुकिंग बिना अग्नि के स्तेमाल के, स्तुति सुनाओ आदि बहुत छोटे-मोटे आयोजन किए।

अभी पिछले दिनों अखिल भारतीय स्तर पर कुकिंग कॉम्पटिशन का आयोजन किया, पूरे भारत से प्रविष्टियाँ आई, शुद्ध जैन पद्धति से नई-नई डिश बनाई प्रतियोगियों नें, सभी ने उम्मीद से कहीं ज्यादा बेहतर प्रदर्शन किया। ये आयोजन अहमदाबाद शाखा का बहुत सफ्ल रहा।

प्रीती बिल्टीवाला
अध्यक्ष

सुजाता पाटनी
महामन्त्री

लाइव ऑनलाइन जीवन साथी का परिचय
विश्व का पहला और अनूठा प्रयास

"श्री दिगम्बर जैन महासमिति" और "वाह जिन्दगी" द्वारा विश्व का पहला अनूठा, अद्भुत और विश्वसनीय लाइव ऑनलाइन वैवाहिक परिचय सम्मेलन "आमने-सामने" आयोजित किया जा रहा है जो समग्र जैन समाज के लिए होगा।

1. यह एक ऐसा प्रयास होगा जिसके द्वारा विवाह के लिए युवक और युवती अपना खुद का परिचय लाइव ऑनलाइन देंगे।
2. कार्यक्रम के संचालकों द्वारा उनकी शिक्षा, व्यवसाय, प्रोफेशन, शौक, परिवार, भविष्य की परिकल्पना आदि के लिए पूछा जाएगा। इसका मकसद है कि विवाह योग्य युवक-युवतियों को हजारों किलोमीटर दूर बैठे हुये भी देखा, बोला जाता हुआ सुना जा सकता है।
3. उनके परिचय के समय स्क्रीन पर उनसे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ जैसे कुंडली, फोटो, पता, कांटेक्ट नंबर, मैडिकल सर्टिफिकेट, आमदनी, सैलरी आदि से संबंधित डाटा भी प्रसारित होते रहेंगे जिससे उस युवक या युवती की पूरी वास्तविकता विश्वसनीय ढंग से सामने आ सके। सभी को करीब 3 मिनट का वक्त दिया जाएगा।
4. युवक-युवती के साथ उनके माता-पिता या अन्यं कोई रिश्तेदार भी स्क्रीन पर आएंगे।
5. युवक-युवती चल कर कुर्सी पर बैठेंगे जिससे उनकी लंबाई, वजन, चाल आदि का अंदाज लग जाए।
6. Registration Fee Rs. 500/- होगा जिससे एक लाइव कार्यक्रम से वे जुड़ सकेंगे। एक कार्यक्रम में करीब 40 युवक-युवती शामिल होंगे।
7. इस आयोजन को जूम के माध्यम से लाइव प्रसारित किया जायेगा। जो भी रजिस्ट्रेशन कराएंगे उन्हें उनकी इच्छानुसार युवक-युवती से संबंधित कई अन्य के लाइव वीडियो की रिकॉर्डिंग और सम्पूर्ण डाटा उपलब्ध कराया जायेगा।
8. लिंक केवल उन्हीं को भेजी जाएगी जो रजिस्ट्रेशन करेंगे। कार्यक्रम की जानकारी 2 हफ्ते पहले उनको दे दी जाएगी।
9. यह ऑनलाइन परिचय सम्मेलन "आमने-सामने" 03/01/2021 रविवार तथा 10/01/2021 को जूम के माध्यम से भारतीय समयानुसार रात्रि 7 बजे से आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह यह आयोजित होगा।

रजिस्ट्रेशन के लिए इस लिंक को क्लिक करें।

https://shreedigambarjainmahasamiti.com/marriage

अगर आप अपने विवाह योग्य बच्चों के उचित और श्रेष्ठ संबंध को ढूंढ रहे हैं तो इस अनूठी परिकल्पना से जुड़ें।

डॉ मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष - मो.- 9810043108
श्री प्रवीण जैन, राष्ट्रीय महामंत्री - मो.- 9811227718
श्रीमती शीला डोडिया, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा - मो.- 9314173436
श्रीमती संगीता कासलीवाल, राष्ट्रीय महिला महामंत्री - मो.- 9892720780
श्रीमती मंजू अजमेरा, कार्यक्रम संयोजिका - मो.- 9301076831
श्री ललित सरावगी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/चेयरमैन (वाह जिन्दगी) - मो.- 9331722031

कार्यक्रम से संबंधित जानकारी के लिए आप 9331722031 पर व्हाट्सएप कर प्राप्त कर सकते हैं।
कृपया फोन नहीं करें।

नोट:- कृपया इस संदेश को समाज हित में सभी ग्रुप में भेजने की कृपा करें।

सुखद परिवर्तन – एक दिव्यांग के जीवन में बदलाव

दिनांक 15.11.2020 को दिवाली के अवकाश के पश्चात् अस्पताल खुला। अस्पताल के द्वार पर सासाराम का रवि कुमार सिंह जो कि दाएं पैर से दिव्यांग था मोटर साईकल से केंद्र आया था और पूर्व में जयपुर में बना कृत्रिम पैर जर्जर अवस्था में था। उसका तुरन्त पंजीकरण कर माप लिया गया। वार्तालाप के दौरान उसने बताया कि पहले उसे पैर बनवाने के लिये जयपुर जाना पड़ता था परन्तु उसके एक मित्र ने उसे इस केंद्र का पता बताया। पैर को आज ही प्रोस्थेटिक तकनीशियन ने तैयार कर उसका मरीज को पहना कर ट्रायल लिया। पैर मिलने के पश्चात वो पुनः सामान्य ढंग से चलने लगा और मोटर साईकल चलाकर उसने अपनी क्षमता का परिचय दिया। उसने अपनी नित्यक्रिया (शौच आदि) में आने वाली तकलीफों को जाहिर करते हुए वैशाखी की मांग की तो प्रबंधन के अनुमति के पश्चात उसे प्रदान किया गया। हालांकि उसे वैशाखी की जरूरत नहीं थी। वो उसी कृत्रिम पैर से दो पहिया वाहन चलाते हुए अपने गंतव्य को रवाना हुआ। उसे मास्क भी दिया गया। छायाचित्रों में मोटर साईकल चलाते हुए छोटी सी प्रस्तुति की गई जिसे सभी ने सराहा।

खाद्य पैकिटों का वितरण

शंकर नगर श्री दिगम्बर जैन मन्दिर रायपुर में श्री दिगम्बर जैन महासमिति छत्तीसगढ़ द्वारा खाद्य पैकेट तैयार करके जरूरत मन्द लोगों को वितरण किया गया। गये। परस्पर दूरी रखकर समाज सेवी सर्व श्री कमल पाटनी राष्ट्रीय संयोजक श्री दिगम्बर जैन महासमिति, श्री एस॰ के॰ जैन, श्री शैलेन्द्र जैन, श्री विवेक जैन, श्री सुजीत जैन, श्री अमिताप जैन, श्री विपुल जैन, श्री अजीत जैन, श्री प्रदीप जैन, श्री प्रसंग जैन आदि ने श्रमदान किया।

जरूरतमंद परिवार की बालिका के विवाह में सहयोग करना अनुकरणीय

– अनीता भदेल, विधायिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर की सरावगी मोहल्ला इकाई के सहयोग से एक ऐसी महिला की बालिका के विवाह में सहयोग किया गया जिनके पति विगत वर्ष पूर्व ही बुरे व्यसन के कारण उन्हें छोड़कर अन्यत्र शहर में चले गए थे।

महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी नें बताया कि अजमेर की रहने वाली श्रीमती विमला देवी की लाडली पुत्री राधिका का विवाह आगामी दिनों में होने जा रहा है व आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इस वैवाहिक कार्य में असमर्थता महसूस कर रही है, इस कारण उसनें दिगम्बर जैन महिला महासमिति से सहयोग की अपील की जिसे आज धनतेरस के शुभ दिन राजस्थान सरकार की पूर्व महिला एवम् बाल कल्याण मंत्री व विधायिका श्रीमती अनिता भदेल के कर कमलों द्वारा बालिका के विवाह में व विवाह उपरांत ग्रहस्थ जीवन में कार्य आने वाली सामग्री जिसमें दुल्हन का बेस, सोने का लोंग, पन्द्रह साड़ियाँ, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, रसोई के कार्य में आने वाले सभी प्रकार के स्टील के बर्तन, सेलों के सभी प्रकार के आइटम, गैस चूल्हा, ओवन, मिक्सी, कुकर, बेडशीट, स्वेटर्स, ब्लैंकेट्स, घड़ा, परिवार जन के कपड़े, सजावट का सामान, कुर्सी सेट आदि। सरावगी मोहल्ला इकाई की अध्यक्ष श्रीमती मंजू निर्मल गंगवाल, श्रीमती सरिता पाटनी, श्रीमती नमिता सेठी, श्रीमती कोकिला अजमेरा, श्रीमती किरण लुहाड़िया, श्रीमती शकुंतला सेठी, श्रीमती सुशीला दोषी, युवा महिला संभाग अध्यक्ष श्रीमती मधु पाटनी व समाज सेवी श्रीमती कमलेश राकेश पालीवाल के अलावा श्री प्रदीप जैन सिंधी व श्रीमान इसरानी का विशेष सहयोग से सेवा दी गई।

समिति के द्वारा दिये गए सहयोग सामग्री को देखकर श्रीमती विमला भाव विभोर हो गई व उसकी आखों से खुशी के आंसू निकल पड़े। उसने इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की सदस्याओं के प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हुये कहा कि उसने सपनें में भी नहीं सोचा था कि वो अपनी बिटिया की शादी इतने अच्छे तरीके से कर पायेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायिका श्रीमती अनिता भदेल ने समिति की सदस्याओं के सेवा भाव की प्रशंसा करते हुए कहा कि जरूरतमंद व अशक्त महिला का सहयोग करना बहुत ही पुण्य का कार्य है जिसमें हमें सहयोग करना चाहिए।

समिति की युवा महिला संभाग अध्यक्ष मधु पाटनी नें बताया कि इससे पूर्व साठ बालिकाओं के विवाह में समिति द्वारा सहयोग दिया जा चुका है।

सरावगी मोहल्ला इकाई अध्यक्ष श्रीमती मंजू गंगवाल ने बताया कि इस अवसर पर मधु पाटनी, सर्वोदय कॉलोनी इकाई की मंत्री श्रीमती रेणू पाटनी, सरिता पाटनी, डॉक्टर आरूषि पाटनी, पदमचंद जैन आदि मौजूद रहे। अंत में लायंस क्लब अजमेर आस्था के पूर्व संभागीय अध्यक्ष लायन अतुल पाटनी ने सभी सेवा सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महिला महासमिति की सदस्याओं द्वारा श्रीमती अनिता भदेल का स्वागत सम्मान किया गया।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति ने लहेरिया महोत्सव मनाया

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग कोटा ने लहेरिया महोत्सव मनाया। महासमिति की अध्यक्ष मधु शाह ने बताया कि लॉक डाउन का पालन करते हुए महासमिति द्वारा ऑन लाईन लहेरिया प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें कोटा, बूंदी, रावतभाटा, जयपुर, बांरा, छबड़ा, अंता की महिलाओं ने भाग लिया। प्रचार-प्रसार मंत्री मृदुला जैन ने बताया कि हरियाली तीज पर सजधज कर सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें प्रियंका हरसौरा ने प्रथम, हेमा सोनी चाँदखेड़ी ने द्वितीय, अंजलि गंगवाल बूंदी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जयपुर से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला डोडिया ने दीप प्रज्वलन किया। निर्णायक श्रीमती शालिनी वाकलीवाल, श्रीमती डिम्पल गदिया, निधि सेठी थी। कार्यक्रम प्रायोजिका श्रीमती डोली जैन छाबड़ा एवं कोटा से संगीता कासलीवाल, निधि सेठी, नीना लुहाड़िया, भवि शाह, नैना जैन, सुधा जैन, कविता रावतभाटा रहीं। मंत्री किरण जैन ने बताया कि 21 प्रतियोगियों ने अपनी प्रस्तुति दी एवम् उपस्थित करीब 100 सदस्यों को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा महा अतिशयकारी ज्ञानोदय तीर्थ नारेली में विघ्नहरण 1008 श्री मुनि सुव्रतनाथ भगवान के समोशरण की स्थापना को तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में समिति सदस्याओं द्वारा श्रीजी के सम्मुख हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव से भजनो का कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुऐ।

1. अमृत और मृत्यु दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं। मनुष्य मोह से मृत्यु और सत्य से अमृत को प्राप्त करता हैं।
2. किसी कार्य को सोचने वाले करोड़ो लोग होते है, परन्तु सोचे हुए कार्य को करने वाले विरले ही होते हैं।

समाज सेवा और जन सेवा ही सच्ची ईश्वर की आराधना है।

– डॉ. मणीन्द्र जैन

करप्शन फ्री इंडिया के ग्रेटर नोएड में संपन्न हुए भव्य कार्यक्रम में श्री कृष्ण कुमार जी आईएएस एवं डॉ. मणीन्द्र जैन प्रमुख समाज सेवी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में गायिका प्रियंका चौधरी, दलजीत नागर जी, बहुत सारे पुरस्कारों से सम्मानित रोहतास जी, चित्रकार श्री बैसला जी आदि को डॉ मणीन्द्र जैन द्वारा विशिष्ट समाज सेवा के लिए सम्मान चिन्ह, प्रशस्ति पत्र तथा पौधा देकर सम्मानित किया गया। साथ ही साथ 3 बालक और तीन बलिकाओं को जल संरक्षण एवं पर्यावरण के चित्र बनाने के लिए प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। डॉ कृष्ण कुमार तथा करप्शन फ्री इंडिया के पदाधिकारियों द्वारा **डॉ. मणीन्द्र जैन का शाल, प्रशस्ति पत्र, सम्मान चिन्ह तथा पौधा देकर सम्मान किया गया।** डॉ. मणीन्द्र जैन ने जैन धर्म में जल संरक्षण और पर्यावरण आदि की शास्त्रों में वर्णित व्याख्या की तथा समस्त उपस्थित जनों को आदरणीय अन्ना जी, महान गीतकार संगीतकार रविन्द्र जैन जी एवं पतंजलि के प्रमुख आचार्य बालकिशन जी के प्रमुख उद्धरणों के द्वारा समाज सेवा का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया गया। सभी उपस्थित सज्जनों ने समाज सेवा को जनसेवा बनाने का संकल्प लिया। करप्शन फ्री इंडिया के अध्यक्ष श्री प्रवीण चौधरी, श्री आलोक जी, संजू जी कार्यक्रम के अध्यक्ष नंबरदार जी, संरक्षक शीतला जी, कर्नल साहब आदि ने अपने विचारों में करप्शन फ्री इंडिया की कल्पना को यथार्थ में बदलने का आह्वान किया।

रच गया नया इतिहास

आमने सामने

तीसरे सेमिनार के रजिस्ट्रेशन शुरू

श्री दिगम्बर जैन महासमिति और वाह ज़िन्दगी का एक अनूठा प्रयास

विश्व में पहला समग्र जैन समाज का ज़ूम पर लाइव वैवाहिक परिचय सम्मेलन

- ज़ूम पर प्रत्येक युवक युवती को 3 मिनिट का समय, और वे चलते हुए कुर्सी पर बैठेंगे जिससे उनकी लंबाई, मोटापा, चाल का पता लग सके।
- उनका साक्षात्कार, जिससे उनकी आवाज़ में कोई दोष तो नहीं, या आत्मविश्वास का पता चलें।
- साथ में उनके माता पिता या परिवार के अन्य सदस्य भी होंगे जिससे संभावित ससुराल का अंदाज़ लगे।
- शिक्षा, जन्म कुंडली, अन्य सर्टिफिकेट के साथ स्वास्थ्य प्रमाणपत्र कि उसे कोई गम्भीर बीमारी तो नहीं आदि का स्क्रीन पर प्रदर्शन
- सैलरी स्लिप या इनकम टैक्स रिटर्न्स के कागजात का प्रदर्शन, जिससे सालाना पैकेज या आय का विश्वसनीय प्रमाण।
- Zoom के द्वारा हज़ारों किलोमीटर दूर से भी संभावित वर या वधु को लाइव देख कर शारिरिक बनावट का अंदाज़ा
- कार्यक्रम के बाद भी आप अपनी पसंद के अलग अलग क्षेत्र के कई युवक/युवती के साक्षात्कार वीडियो, फ़ोटो और बॉयोडाटा प्राप्त कर सकते हैं।

दूसरा सम्मेलन	तीसरा सम्मेलन	रजिस्ट्रेशन शुल्क
3 जनवरी	10 जनवरी	₹500/- मात्र

विस्तृत विवरण या रजिस्ट्रेशन लिंक के लिये इन नंबर पर व्हाट्सएप करें।

9331722031/9810043108/9314173436
9811227718/9301076831/9892720780

डॉ मणीन्द्र जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष	**शीला डोडिया** राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा	**ललित सरावगी जैन** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/चेयरमैन-वाह ज़िन्दगी
प्रवीण जैन राष्ट्रीय महामंत्री	**संगीता कासलीवाल** राष्ट्रीय महिला महामंत्री	**मंजु अजमेरा** संयोजक

पंजीकरण संख्या : S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL(E)-20/5535/2018-20

नव वर्ष में आप सभी स्वस्थ, सुखद और सुरक्षित रहें इसी मगंलकामना के साथ आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

डॉ. मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्रीमती शीला जैन डेडिया
राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष

प्रवीन जैन
राष्ट्रीय महामंत्री

संगीता कासलीवाल
राष्ट्रीय महिला महामंत्री

धरणेन्द्र कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

के समस्त पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण

if undelivered please return to :
70, Kailash Hills, 2nd Floor
Delhi-110065
Mob. : 9810043108, 8826578600

To,